भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 2322
उत्तर देने की तारीख-15/12/2025

भारतीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संबंधी पहल

†2322. श्री बस्तीपति नागराजू:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारतीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाले उच्च शिक्षा कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पहल शुरू की है या शुरू करने का विचार है;
(ख) यदि हां, तो पहल के तहत अपनाए गए उद्देश्यों, संस्थागत ढांचे, पात्रता मानदंड, कार्यान्वयन तंत्र और निगरानी प्रणाली का ब्यौरा क्या है;
(ग) उक्त पहल के अंतर्गत अब तक राज्य-वार और भाषा-वार कितनी संस्थाएं चिन्हित की गई हैं या उनकी सहायता की गई है;
(घ) उक्त पहल की स्थापना के बाद से वर्ष-वार और संस्थान-वार कितनी वित्तीय सहायता स्वीकृत और जारी की गई;
(ङ) क्या उक्त पहल के कार्यान्वयन के लिए कोई दिशानिर्देश, मैनुअल या परिचालन प्रक्रियाएं जारी की गई हैं; और
(च) यदि हां, तो ऐसे दिशानिर्देशों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (च): केंद्रीय बजट 2025-26 में एक योजना भारतीय भाषा पुस्तक योजना की घोषणा की गई है, जिसका उद्देश्य स्कूल और उच्चतर शिक्षा के लिए 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं में उच्च गुणवत्तापूर्ण डिजिटल पुस्तकें तैयार करना है। तकनीकी ज्ञान/उच्चतर शिक्षा को आसान और समावेशी बनाने के एनईपी 2020 के उद्देश्य के अनुसार, सरकार ने एआई अनुवाद टूल्स, क्षेत्रीय भाषाओं में कोर्स और हिंदी, तमिल, तेलुगु आदि भाषाओं में पाठ्यपुस्तक तैयार करने जैसी अनेक पहलें की हैं।

एआईसीटीई ने तकनीकी पुस्तक लेखन योजना के माध्यम से , लगभग 447 किताबों का 12 अनुसूचित भाषाओं में अनुवाद किया है। एआईसीटीई का ई-कुंभ पोर्टल,

मूलरूप और भारतीय भाषाओं में डिजिटल फ़ॉर्म में सबसे अच्छी इंजीनियरिंग किताबें देता है। एआईसीटीई के अनुवादिनी टूल का उपयोग भाषा की रुकावट को दूर करने और क्षेत्रीय भाषाओं में तकनीकी शिक्षा सीखने और सिखाने को लोकप्रिय बनाने के लिए किया जा रहा है। इसके लिए, क्षेत्रीय भाषाओं में अनूदित की गई मानक उच्च गुणवत्तापूर्ण तकनीकी पुस्तकें प्रदान की जा रही हैं। 11 राज्यों में 39 एआईसीटीई अनुमोदित संस्थाओं के माध्यम से, 9 विषयों के लिए 7 भारतीय भाषाओं में पुस्तकें प्रदान की जा रही हैं।

यूजीसी ने 23 नोडल विश्वविद्यालयों के माध्यम से अवर-स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम के लिए 22 भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तक लिखने/तैयार करने के लिए 1089 से अधिक लेखकों की पहचान की है। डेटा प्रबंधन और परियोजना के समन्वय के लिए व्यापक सुविधाओं वाला एक विस्तृत डिजिटल डैशबोर्ड भी बनाया गया है।

****